रामचरितमानस का पाठ

प्राचीनतम प्रतियों के आधार पर पाठ-निरूपण

(द्वितीय भाग)

लेखक

माताप्रसाद गुप्त, एम० ए०, डी० लिट्०

अध्यापक हिंदी विभाग, प्रयाग विश्वविद्यालय

प्रकाशक

साहित्य कुटीर, प्रयाग